भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2580
जिसका उत्तर 11 दिसंबर, 2024 को दिया जाना है।
20अग्रहायण, 1946 (शक)

इंडियाएआईमिशन

2580.श्री शशांक मणिः

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इंडियाएआईमिशन की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं और इसके अंतर्गत क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं;
(ख) क्या इंडियाएआईमिशन के लिए कोई निधि आवंटित की गई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या इंडियाएआईकम्प्यूट कैपेसिटी पिलरऑफ द मिशन के लिए विशेष रूप से कोई निधि पृथक रूप में रखी गई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(घ) क्या सरकार के पास मिशन की प्रभावशीलता और इसके वित्तीय परिव्यय को सुनिश्चित करने के लिए कोई तंत्र मौजूद है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (घ):भारतसरकारप्रौद्योगिकीउपयोगकोलोकतांत्रिकबनानेकेप्रधानमंत्रीकेविज़नकेअनुरूप 'सभीकेलिएआर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई)' के सिद्धांतपरजोरदेतीहै। इसपहलकाउद्देश्ययहसुनिश्चितकरनाहैकिएआईसमाजकेसभीक्षेत्रोंकोलाभान्वितकरे, जिससेनवाचारऔरविकासकोबढ़ावामिले।

माननीयप्रधानमंत्रीकेनेतृत्वमेंकेंद्रीयमंत्रिमंडलने 7 मार्च 2024 कोइंडियाएआईमिशनकोमंजूरीदेदीहै,जोदेशकेविकासलक्ष्योंकेसाथसंरेखितएकमजबूतऔरसमावेशीएआई पारिस्थितिकीतंत्रस्थापितकरनेकीएकरणनीतिकपहलहै।
यहमिशनसातआधारभूतस्तंभोंपरध्यानकेंद्रितकरकेभारतकोएआईके क्षेत्र में ग्लोबल लीडर केरूपमेंस्थापितकरनेके विचारसेअनुप्रेरितहै।

इसमिशनकाकार्यान्वयनडिजिटलइंडियाकॉरपोरेशनकेतहतइंडियाएआईस्वतंत्रव्यापारप्रभाग (आईबीडी) द्वाराकियाजारहाहै, औरइंडियाएआईमिशनकेकार्यान्वयनकेलिएकिएगएप्रमुखकार्यनिम्नानुसारहैं:

इंडियाएआई कंप्यूट:

- इंडियाएआईकंप्यूटस्तंभकालक्ष्यएकउच्चस्तरीयस्केलेबलएआईकंप्यूटिंगईकोसिस्टमकानिर्माणकरनाहै, जिसमें 10,000 याउससेअधिकग्राफिक्सप्रोसेसिंगयूनिट्स (जीपीयू) काएआईकंप्यूटइंफ्रास्ट्रक्चरशामिलहोगा।
- क्लाउडपरएआईसेवाएंप्रदानकरनेकेलिएएजेंसियोंकेपैनलकेलिए 16 अगस्त 2024 कोआवेदनआमंत्रितकिएगएथे। बोलीप्रस्तुतकरनेकीप्रक्रिया 28 नवंबर 2024 कोबंदकरदीगईथीऔरअनुरोधकेजवाबमें 19 बोलीदाताओंनेबोलियांप्रस्तुतकीहैं।

इंडियाएआई फ्यूचरस्किल्स:

- इंडियाएआई फ्यूचरस्किल्सस्तंभकालक्ष्यएआईडोमेनमेंस्नातक, स्नातकोत्तरऔरपीएचडीडिग्री धारकों कीसंख्याबढ़ानाहै। इसकेअलावा, इसकालक्ष्यभारतभरकेटियर 2 औरटियर 3 शहरोंमेंडेटाऔरएआईलैबस्थापितकरनाहै, ताकिडेटाऔरएआईमेंआधारभूतस्तरकेपाठ्यक्रमउपलब्ध कराएजासकें।
- अखिलभारतीयतकनीकीशिक्षापरिषद (एआईसीटीई) सेमान्यताप्राप्तइंजीनियरिंगसंस्थानोंसेएआईडोमेनमेंकामकरनेवाले 400 बी.टेकऔर 500 एम.टेकछात्रोंकोप्रतिवर्षइंडियाएआईफेलोशिपप्रदानकीजारहीहै।
- राष्ट्रीयसंस्थागतरैंकिंगफ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) मेंशीर्षरैंकवाले50 शोधसंस्थानोंकोइंडियाएआईपीएचडीफेलोशिपकेतहतनएपीएचडीस्कॉलर्सलेनेकेलिएकहागयाहै।
- राष्ट्रीयइलेक्ट्रॉनिकीएवंसूचनाप्रौद्योगिकीसंस्थान (नाइलिट्स), दिल्लीमेंएकमॉडलइंडियाएआईडेटालैबस्थापितकीगईहै, जोइसपहलकेएकभागकेरूपमेंटियर 2 औरटियर 3 शहरोंमेंस्थापितकिएजानेवालेबुनियादीढांचेकेलिएसंदर्भबिंदुकेरूपमेंकार्यकरतीहै।
- सभी 36 राज्योंऔरकेंद्रशासितप्रदेशों (यूटी) सेअनुरोधकियागयाहैकिवेडेटालैबस्थापितकरनेकेलिएटियर 2 औरटियर 3 शहरोंमेंस्थितऔद्योगिकप्रशिक्षणसंस्थानों (आईटीआई)/पॉलिटेक्निककीअपनीनामितसूचीप्रस्तुतकरें। इसकेअतिरिक्त, इंडियाएआईनेएनआईईएलआईटीकेसहयोगसेदेशभरकेटियर 2 औरटियर 3 शहरोंमें 27 डेटालैबस्थापितकरनेकीयोजनाबनाईहै, जिसकाविवरण**परिशिष्ट-I**मेंदियागयाहै।

इंडियाएआईस्टार्टअपवित्तपोषण:

- इंडियाएआईस्टार्टअपफाइनेंसिंगकाउद्देश्यएआईस्टार्टअप्सकोसभीचरणोंमेंसहायताप्रदानकरनाहै। प्री-सीड, सीडऔरग्रोथस्टेजपरएआईस्टार्टअप्सकोसमर्थनदेनेकीयोजनापरविचार-विमर्शकरनेकेलिएहितधारकपरामर्शककईदौरआयोजितकिएगएहैं।

इंडियाएआईइनोवेशनसेंटर:

- इंडियाएआईइनोवेशनसेंटरकालक्ष्यभारत-विशिष्टडेटापरप्रशिक्षितस्वदेशीबड़ेमल्टीमॉडलमॉडल (एलएमएम) कोविकसितऔरउपयोगकरनाहै
- स्वदेशीवृहदबहु-मॉडलमॉडल (एलएमएम) केनिर्माणकेलिएइंडियाएआईकीरणनीतिपरविचार-विमर्शकरनेकेलिएहितधारकोंकेसाथकईदौरकेपरामर्शआयोजितकिएगएहैं।

इंडियाएआईडेटासेटप्लेटफॉर्म:

- इंडियाएआईडेटासेट्सप्लेटफॉर्म (आईडीपी) काउद्देश्यसार्वजनिकक्षेत्रकेडेटासेट्सकीपहुंच, गुणवत्ताऔरउपयोगकोबढ़ानाहैताकिउन्हेंएआई के लिए तैयारकियाजासके।
- प्लेटफॉर्मविकसितकरनेकेलिएएकव्यापकयोजनाबनाईगईहैऔरहगिंगफेस, दुबईपल्सआदिजैसेअन्यप्रमुखडेटासेटप्लेटफार्मोंकामूल्यांकनकरनेकेबादएकफीचरसूचीकोअंतिमरूपदिया गयाहै।

इंडियाएआईअनुप्रयोगविकासपहल:

- इंडियाएआईएप्लीकेशनडेवलपमेंटइनिशिएटिवकाउद्देश्यमहत्वपूर्णसमस्याओंसेप्रभावीढंगसेनिपटनेकेलिएप्र भावशालीएआईसमाधानोंकोविकसितकरना, उनकाविस्तारकरनाऔरउन्हेंअपनानेकोबढ़ावादेनाहै।
- इंडियाएआईइनोवेशनचैलेंज 13 अगस्त 2024 कोस्वास्थ्यसेवा, कृषि, बेहतरशासन, जलवायुपरिवर्तनऔरआपदाप्रबंधनतथाडिसएबिलिटीज़के बारे में सीखने तथा सहायकप्रौद्योगिकियोंकेविषयोंकेलिएशुरूकियागयाथा। इनोवेशनचैलेंजभारतीयइनोवेटर्स, स्टार्टअप्स, गैर-लाभकारीसंस्थाओं, छात्रों, शैक्षणिक/आरएंडडीसंगठनोंऔरकंपनियोंकेलिएखुलाथा। 30 सितंबरकीसमयसीमातकपांचफोकसक्षेत्रोंमेंकुल 900 आवेदनप्राप्तहुएहैं।

- साइबरअपराधकीरोकथामकेलिएभारतीयसाइबरअपराधसमन्वयकेंद्र (I4सी) केसहयोगसे 17 अक्टूबर 2024 कोसाइबरगार्डएआईहैकथॉनशुरूकियागयाऔरइसकेलिए 263 प्रतिक्रियाएंप्राप्तहुईं।

सुरक्षितएवंविश्वसनीयएआई:

- यहपिलरस्वदेशीउपकरणोंऔरढांचेकेविकास, नवप्रवर्तकोंकेलिएस्व-मूल्यांकनचेकलिस्टऔरअन्यदिशानिर्देशऔरशासनढांचेसहितउत्तरदायीएआईपरियोजनाओंकेकार्यान्वयन कोसक्षमबनाताहै।

- एआईप्रौद्योगिकियोंकोजिम्मेदारीपूर्वक विकसिक करने, उनके परिनियोजनऔरअपनानेकी प्रक्रिया सुनिश्चितकरनेहेतुमजबूतसुरक्षाउपायोंकीआवश्यकताकोपूराकरनेकेलिएआठजिम्मेदारएआईपरियोजनाओं काचयनकियागयाहै। परियोजनाओंमेंमशीनअनलर्निंग, सिंथेटिकडेटाजेनरेशन, एआईपूर्वाग्रहशमन, नैतिकएआईफ्रेमवर्क, गोपनीयताबढ़ानेवालेउपकरण, व्याख्यात्मकएआईगवर्नेंसपरीक्षणऔरएल्गोरिदमऑडिटिंगटूलसहितकईमहत्वपूर्णविषयशामिलहैं। चयनितपरियोजनाओंकाविवरण**परिशिष्ट-II**मेंदियागयाहै।

भारतएआई के क्षेत्र मेंवैश्विकभागीदारी (जीपीएआई) का एक संस्थापकसदस्यहैऔरइसनेवैश्विकस्तरपरसुरक्षित, संरक्षितऔरभरोसेमंदएआई कोआगेबढ़ानेकेअपनेदृष्टिकोणमेंमहत्वपूर्णयोगदानदियाहै। भारतको 2023 केलिएआनेवालेपरिषदअध्यक्ष, 2024 केलिएप्रमुखअध्यक्षऔर 2025 केलिएनिवर्तमानअध्यक्षकेरूपमेंचुनागयाथा। आनेवालेपरिषदअध्यक्षकेरूपमें, भारतनेदिसंबर, 2023 मेंवार्षिकजीपीएआईशिखरसम्मेलनकीमेजबानीकी, जोएकऐतिहासिककार्यक्रमथाजिसमें 22000 सेअधिकप्रतिभागियोंनेहिस्सालिया। प्रमुखअध्यक्षकेरूपमें, भारतनेजुलाई 2024 मेंनईदिल्लीमें "ग्लोबलइंडियाआर्टिफिशियल इंटेलीजेंस शिखरसम्मेलन" औरमध्यवर्षजीपीएआईशिखरसम्मेलनकीमेजबानीकी, जहां 6वीं जीपीएआईमंत्रिस्तरीयपरिषदआयोजितकीगईऔरइसकार्यक्रममें 12000 सेअधिकप्रतिभागियोंनेहिस्सा लिया।जीपीएआईनईदिल्लीघोषणा 2024 केतहत, जीपीएआईसदस्यजीपीएआईकेभविष्यकेबारेमेंआमसहमतिपरपहुंचेऔरजीपीएआईब्रांडकेतहतसभीमौजूदा ओईसीडीसदस्योंऔरजीपीएआईदेशोंकोसमानस्तरपरएकसाथलानेकेलिएओईसीडीकेसाथएकएकीकृतसा झेदारीकेमाध्यमसेजीपीएआईकेलिएएकनई अवधारणाकीघोषणाकी।

जी-20
नईदिल्लीलीडर्सघोषणापत्रनवाचारसमर्थकविनियामक/शासनदृष्टिकोणकोआगेबढ़ानेकेलिएप्रतिबद्धहैजोला भोंकोअधिकतमकरताहैऔरएआईकेउपयोगसेजुड़ेजोखिमोंपरविचारकरताहै। भारत 2024 मेंब्राजीलमेंअपनाएगएसाओलुइसघोषणापत्रकाभीहस्ताक्षरकर्ताहै,
जोएआईशासनकेलिएवैश्विकसहयोगकीआवश्यकतापरभीप्रकाशडालताहैऔर जी-20 सदस्योंकोएआईशासनढांचेकेबीचअंतर-संचालनकोआगेबढ़ानेऔरसुदृढ़करनेकेलिएप्रोत्साहितकरताहै।

इसकेअलावा, भारतनेसततविकासलक्ष्यों (एसडीजी) केलिएएआईपरसंयुक्तराष्ट्रमहासभा (यूएनजीए) केप्रस्तावसेसंबंधितचर्चाओंमेंसक्रियरूपसेभागलियाहैऔरउसप्रस्तावकोसह-प्रायोजितकियाहै।

भारतहिरोशिमाएआईप्रोसेसफ्रेंड्सग्रुपकासदस्यहै,
जिसमेंसदस्यदेशोंद्वाराएआईकेलिएएकव्यापकनीतिढांचाविकसितकरनेकेलिएसहयोगात्मकप्रयासशामिलहै, जिसमेंसुरक्षित,
संरक्षितऔरभरोसेमंदउन्नतएआईप्रणालियोंकोबढ़ावादेनेकेउद्देश्यसेमार्गदर्शकसिद्धांतऔरआचारसंहिताशा मिलहै।

भारत, 22 सितंबर, 2024 कोअपनाएगएसंयुक्तराष्ट्रजीडीसीकाभीहस्ताक्षरकर्ताहै। मानवाधिकारोंऔरअंतर्राष्ट्रीयकानूनपरआधारितजीडीसीके अंतर्गत

संयुक्तराष्ट्रसम्मेलनोंऔरबैठकोंकेदौरानएआईपरएकबहु-
विषयकस्वतंत्रअंतर्राष्ट्रीयवैज्ञानिकपैनलऔरएआईगवर्नेंसपरएकवैश्विकवार्ताकीस्थापनाकेमाध्यमसेकनेक्टिविटी, ऑनलाइनसुरक्षाऔरएआईगवर्नेंसपरप्रतिबद्धताएंशामिलकी गई हैं।

****

परिशिष्ट I

देशभरकेटियर 2 औरटियर 3 शहरोंमेंनाइलिट (एनआईईएलआईटी)केसहयोगसेइंडियाएआईद्वारानियोजितडेटाऔरएआईप्रयोगशालाओंकीसूची:

क्र.सं.	नाइलिटकेंद्र	राज्य/संघराज्यक्षेत्र
1	गोरखपुर	उत्तर प्रदेश
2	लखनऊ	उत्तर प्रदेश
3	शिमला	हिमाचलप्रदेश
4	औरंगाबाद	महाराष्ट्र
5	पटना	बिहार
6	बक्सर	बिहार
7	मुजफ्फरपुर	बिहार
8	कुरुक्षेत्र	हरियाणा
9	रोपड़	पंजाब
10	हरिद्वार	उत्तराखंड
11	बीकानेर	राजस्थान
12	तेजपुर	असम
13	भुवनेश्वर	ओडिशा
14	कालीकट	केरल
15	गुवाहाटी	असम
16	ईटानगर	अरुणाचलप्रदेश
17	श्रीनगर	जम्मूऔरकश्मीर
18	जम्मू	जम्मूऔरकश्मीर
19	रांची	झारखंड
20	इम्फाल	मणिपुर
21	गंगटोक	सिक्किम
22	अगरतला	त्रिपुरा
23	आइजोल	मिजोरम
24	शिलांग	मेघालय
25	कोहिमा	नागालैंड
26	लेह	लद्दाख
27	सिलचर	असम

<u>परिशिष्ट II</u>

"सुरक्षितऔरविश्वसनीयएआई" स्तंभकेअंतर्गतचयनितपरियोजनाओंकाविवरणनिम्नानुसारहै:

विषयकानाम	चयनितआवेदक	परियोजनाकाशीर्षक
मशीनअनलर्निंग	आईआईटीजोधपुर	जनरेटिवफाउंडेशनमॉडलमेंमशीनअनलर्निंग
सिंथेटिकडेटाजनरेशन	आईआईटीरुड़की	डेटासेटमेंपूर्वाग्रहकोकमकरनेकेलिएसिंथेटिकडेटाउत्पन्नकरनेकीविधिकाडिजाइनऔरविकास; तथाउत्तरदायीएआईकेलिएमशीनलर्निंगपाइपलाइनमेंपूर्वाग्रहकोकमकरनेकेलिएरूपरेखा
एआईपूर्वाग्रहशमनरणनीति	राष्ट्रीयप्रौद्योगिकीसंस्थानरायपुर	स्वास्थ्यदेखभालप्रणालियोंमेंपूर्वाग्रहशमनकेलिएउत्तरदायीएआईकाविकास
व्याख्यायोग्यएआई फ्रेमवर्क	डीआईएटीपुणेऔरमाइंडग्राफटेक्नोलॉजीप्राइवेटलिमिटेड।	सुरक्षाकेलिएव्याख्यात्मकऔरगोपनीयतासंरक्षणएआईकोसक्षमकरना
गोपनीयताबढ़ानेकीरणनीति	आईआईटीदिल्ली, आईआईआईटीदिल्ली, आईआईटीधारवाड़ और दूरसंचारइंजीनियरिंगकेंद्र (टीईसी)	मजबूतगोपनीयता-संरक्षणमशीनलर्निंगमॉडल
एआईनैतिकप्रमाणनढांचा	आईआईआईटीदिल्ली और दूरसंचारइंजीनियरिंगकेंद्र (टीईसी)	एआईमॉडलकीनिष्पक्षताकाआकलनकरनेकेलिएउपकरण
एआईएल्गोरिदमऑडिटिंगटूल	सिविकडेटालैब्स	परखएआई-सहभागीएल्गोरिथमिकऑडिटिंगकेलिएएकओपन-सोर्सफ्रेमवर्कऔरटूलकिट
एआईगवर्नेंसपरीक्षणढांचा	अमृताविश्वविद्यापीठम और दूरसंचारइंजीनियरिंगकेंद्र (टीईसी)	ट्रैक-एलएलएम, पारदर्शिता, जोखिममूल्यांकन, संदर्भऔरबड़ेभाषामॉडलकेलिएज्ञान

******